न केवल एक कला गतिविधि, बल्कि शिक्षा में एक आंदोलन:

कैसे एक अनुभवी शिक्षक को अर्थ मिला उसके शिक्षण अभ्यास में।

शलाका देशमुख पर एक प्रभाव अध्ययन,

एडस्पार्क्स कलेक्टिव (2020-2021) प्रतिभागी।

परिचय:

NEP 2020 शिक्षा में कला को यह कहते हुए विशेषाधिकार देता है, "कला को कक्षा अभ्यास के अन्य सभी पाठ्यचर्या क्षेत्रों में एकीकृत करने की आवश्यकता है," और कहीं 'पाठ्यचर्या', 'पाठ्येतर', या 'सह-पाठयक्रम', 'कला', 'मानविकी' और 'विज्ञान', " के बीच कोई अंतर नहीं होना चाहिए..."। ArtSparks Foundation ने लंबे समय से शिक्षा में कला के असंख्य लाभ की अधिक मान्यता की वकालत की है। इस तरह, हम शिक्षा में कला के मूल्य के बारे में जागरूकता एवं समझ को फैलाने के तरीके खोजे जा रहे हैं। यह प्रभाव अध्ययन ऐसा ही एक मार्ग है।

कला में और उसके माध्यम से सीखना न केवल छात्रों की कल्पना, अभिव्यक्ति और अवलोकन कौशल के विकास के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि उनके संज्ञानात्मक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। ArtSparks का ***EdSparks Collective अपनी तरह का अनूठा, 12-सत्र वाला व्यावसायिक विकास कार्यक्रम है, जो उन सभी लोगों के लिए है, जो छात्रों की शिक्षा को बदलने के लिए कला की पूरी क्षमता तलाशने में रुचि रखते हैं।*** प्रत्येक कार्यशाला सत्र को व्यवस्थित रूप से प्रतिभागियों की क्षमता का निर्माण करने के लिए डिजाइन और समृद्ध शैक्षिक हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो 21 वीं सदी के सीखने और बच्चों में जीवन कौशल को बढ़ावा देने के लिए कला का उपयोग करते हैं।

EdSparks Collective cohort सदस्य, कार्यक्रम को स्नातक करने पर, अभ्यास के एक बड़े समुदाय का हिस्सा बन जाते हैं, और कार्यक्रम के बाद पूरे वर्ष के लिए निरंतर समर्थन प्रदान किया जाता है। ***प्रतिभागियों को उनके संबंधित संगठनों में प्रभावी कला हस्तक्षेपों को डिजाइन और कार्यान्वित करने में मदद करने के लिए सहायता की पेशकश की जाती है। इस अध्ययन में EdSparks की पिछली सामूहिक प्रतिभागी शलाका देशमुख को शामिल किया गया है।***

भारतीय शिक्षा के संदर्भ में कला को जिस तरह से पढ़ाया जाता है उसमें कमियों और चुनौतियों को पहचानना

शलाका देशमुख 30 वर्षों से विभिन्न सेटिंग्स में एक शिक्षक और एक शिक्षक-प्रशिक्षक रही हैं, जो नागरिक समाज संगठनों के साथ-साथ महाराष्ट्र और उसके आसपास के स्कूलों में भी काम कर रही हैं। विशेष रूप से, वह शिक्षक और शिक्षक-प्रशिक्षक के रूप में Door Step School, मानद सलाहकार के रूप में Unnati ISEC और सहायक सचिव के रूप में The Shikshan Mandal से संबद्ध रही हैं। शलाका सेंटर फॉर क्वालिटी एजुकेशन - पी. बी. सामंत शिक्षण समृद्धि प्रयास की प्रमुख भी हैं।

नागरिक समाज संगठन, Door Step School के साथ उनके लंबे समय से जुड़ाव के माध्यम से, जो सबसे अधिक हाशिए के समुदायों के बच्चों को शिक्षित करने की दिशा में काम करता है, ***उन्हें नए दृष्टिकोणों का परीक्षण करने और कला का उपयोग करके शैक्षिक हस्तक्षेपों को डिजाइन करने की स्वतंत्रता और स्थान दिया गया।*** बच्चों की सक्रिय प्रतिक्रिया और सीखने के साथ उनकी बढ़ती व्यस्तता को देखते हुए, ***उन्होंने उस अपार क्षमता को महसूस किया जो कला छात्रों के सीखने को मजबूत करने की दिशा में प्रदान करती है।*** और इसने उन्हें कला की क्षमता का लाभ उठाने के लिए अतिरिक्त तरीकों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया।

वर्षों से, शलाका ने कला शिक्षा के प्रभावी तरीकों को लागू करने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की। उन्होंने कला को अपने आप में एक अकेला पाठ्यचर्या विषय के रूप में देखा, जबकि इसे अन्य विषय क्षेत्रों के साथ एकीकृत करने की अपनी क्षमता के लिए भी देखा। हालांकि, उन्होंने अपनी टीम के सदस्यों की कला को पूरी तरह से अपनाने की क्षमता विकसित करने और उन्हें कलात्मक प्रक्रिया के भीतर की गहराई और चौड़ाई को समझने के लिए चुनौतीपूर्ण पाया। ***कला के माध्यम से शिक्षण और सीखने के लिए एक रूपरेखा की अनुपस्थिति के कारण, वह उनके साथ कला शिक्षा के लिए एक स्थायी, संरचित दृष्टिकोण साझा करने में असमर्थ थी।***

शलाका बताती हैं, "*एक शिक्षिका के रूप में मैं बच्चों को पढ़ाने के विभिन्न तरीकों का पता लगाना और जांचना चाहती थी। एक दिन बच्चों को नाव बनाना सिखाते हुए उन्होंने कहा, 'दीदी बोट ऐसे नहीं दिखती।' उन्होंने मुझे बताया कि बोट कैसे होते हैं और कैसे दिखते हैं। तो मैं उनसे और अधिक साझा करने के लिए प्रश्न पूछती रही और जैसे-जैसे वे मुझे जानकारी देते रहे, मैं चित्र बनाती गई।* ***इस अनुभव से मुझे समझ में आया कि हमें उनको पढ़ाने की आवश्यकता नहीं है, बच्चे अपने आस-पास से बहुत सी चीजों को जानते और देखते हैं, हमें बस उनके सीखने को मजबूत करने और सीखने की प्रक्रिया का आनंद लेने में मदद करने के लिए उनके साथ चीजों को मज़ेदार बनाने और चर्चा करने की जरूरत है।*** *ये सारे अनुभवों ने मेरे पढ़ने के तरीके में काफी बदलाव लाया है,* ***पर मैं यह नहीं समझ पाई की क्या ये अनुभव एक वास्तविक शैक्षणिक अवधारणाएं और अभ्यास थे, और इस वजय से मैं इनका नियमित आधार पर उपयोग नहीं कर पाई न ही दूसरो को समझने में मदद कर पाई।"***

वह आगे कहती हैं, "*मैं इस तरह से नए-नए प्रयोग करती रही और कोशिश करती रही। नागरिक समाज संगठन के बच्चे इन नई परियोजनाओं को लेने के लिए अधिक इच्छुक थे, लेकिन धन की कमी थी। तो मैं योजना बनाती थी जिसमे आसानी से उपलब्ध या प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया जा सके। हालाँकि, एक औपचारिक स्कूल में, मैंने देखा कि बच्चे सामग्री इस्तेमाल करने में हिचकिचाते हैं, भले ही उनके पास वो पोहच हैं।* ***मैंने यह भी देखा कि माध्यमिक विद्यालय के कला शिक्षक कैसे कला सिखाते हैं जो मेरे तरीके से अलग था। तब मैंने गौर किया कि जिस तरह से भारतीय शिक्षा प्रणाली में कला को पढ़ाया जाता है उसे बदलने की जरूरत है। पर यह बदलाव कैसे लाया जाए, सवाल मैं जूझ रही थी।"***

उपरोक्त कुछ ऐसी दुविधाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डालते हैं जिनका शलाका सामना कर रही थी। Wipro Foundation, Unnati ISEC के माध्यम से- एक अन्य संगठन जिससे शलाका जुड़ी हुई है, जो आदिवासी समुदायों के बीच कार्यात्मक साक्षरता के निर्माण की दिशा में काम करती है- को ArtSparks के EdSparks Collective Program के बारे में सूचित किया गया था। Unnati ISEC ने महसूस किया कि 2020 में EdSparks के समूह में शामिल होने के लिए शलाका उनकी टीम से सबसे अच्छी उम्मीदवार होगी। और कार्यक्रम में उनकी भागीदारी के माध्यम से, यह आकलन करें कि यह उनके द्वारा किए गए कार्य में कैसे मूल्य जोड़ सकती है।

कला शिक्षा के माध्यम से छात्र में सीखने को बदलने के खुलासे एवं मार्ग

EdSparks Collective Program के पहले ही सत्र से, शलाका ने अपने भीतर एक गहरे और गहन बदलाव को महसूस किया। जिस तरह से सत्रों की सुविधा दी जा रही थी, उसके अनुभव और साक्षी के माध्यम से जैसे कुछ बहुत अलग हो रहा था। पूरे कार्यक्रम के दौरान, वह साझा करती हैं, वह पहली बार यह देखने और अनुभव करने में सक्षम थीं कि एक समावेशी वातावरण कैसे बनाया गया था, जिसमें हर कोई, चाहे उनकी पृष्ठभूमि का ज्ञान हो, सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम थे, कला का उपयोग करके अपने स्वयं के विशिष्ट को सक्रिय और प्रदर्शित करने के लिए सोच प्रक्रियाएं। उनके अनुसार, इससे

प्रतिभागियों को न केवल शैक्षिक सेटिंग्स के भीतर कला की विभिन्न संभावनाओं का एहसास करने में मदद मिली, बल्कि उन्हें प्रभावशाली शैक्षणिक प्रथाओं की पहचान करने में भी मदद मिली जो उनके छात्रों के सीखने में अधिक प्रभावी ढंग से सहायता कर सकती थी।

अपने शब्दों में, शलाका ने EdSparks Collective प्रोग्राम से अपनी कुछ सबसे प्रभावशाली बातें साझा कीं:

१) **"उत्पाद" पर "प्रक्रिया" को महत्व देना** - *"बच्चा अभी जो कुछ भी कर रहा है वह एक लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है। आज की दुनिया में हम तुरंत उत्तर चाहते हैं। लेकिन बच्चों को उत्तर आसानी से नहीं दिए जाने चाहिए। बच्चों को जवाब की तलाश करनी चाहिए, उनका पता लगाना चाहिए और एक समाधान खोजना चाहिए। यह प्रभावशाली सीखने के लिए समृद्ध अवसर पैदा करता है। इस तरह की एक प्रक्रिया-उन्मुख दृष्टिकोण हमें EdSparks Collective से प्राप्त सबसे महत्वपूर्ण अवधारणाओं में से एक है जिसने हमारे विचार को मजबूत किया कि अंतिम परिणाम या उत्पाद पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सीखना एक सतत प्रक्रिया होना चाहिए।"*

२) **व्यक्तिगत रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करना** - *"EdSparks Program ने हमें यह समझने में मदद की कि कैसे हम बच्चों को कला-आधारित परियोजनाओं में अपनी रचनात्मकता और मूल विचार लाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, न की सुविधाकर्ता विचारों के साथ आते हैं और इसे बच्चों के साथ क्रियान्वित करते हैं। "*

३) **कला में योजना पाठ्यचर्या के महत्व को पहचानना** - *"मेरे लिए EdSparks Program से सीखी गई पाठ्यचर्या डिजाइन प्रक्रिया और टेम्पलेट का उपयोग करना, लगभग एक आदत बन गई है। जब हम एक थीम और प्रत्येक बिंदु पर चर्चा करने वाले टेम्पलेट को भरते है मुझे बहुत खुशी मिलती है। ये चर्चाएँ और प्रक्रियाएँ न केवल उस विशेष विषय के लिए बल्कि पाठ्यक्रम के प्रत्येक तत्व के लिए भी स्पष्टता लाती हैं। मैं इन तत्वों को अपने शिक्षकों में शामिल करने के लिए शिक्षकों की अपनी टीम की क्षमता बनाने में भी सक्षम हूँ जहां शिक्षण अभ्यास में पाठ योजना बनाते समय बड़े उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हर बारीकियों पर विचार किया जाता है।"*

४) **कला में निर्माणात्मक मूल्यांकन की शक्ति का उपयोग** - *"कार्यक्रम के दौरान हमें पेश किए गए मूल्यांकन रूब्रिक का उपयोग भी एक बच्चे को अपने स्वयं के काम का आकलन करने में मदद कर सकता है। यह बहुत मजबूत व्यावहारिक है। शिक्षकों के लिए भी उपकरण जहां वे प्रभावी रचनात्मक आकलन की सुविधा के लिए विभिन्न विषयों के लिए रूब्रिक विकसित कर सकते हैं। यह प्रत्येक शिक्षार्थी को सफलता के मार्ग पर स्थापित करने में मदद करता है।"*

५) **एक सुरक्षित और बहादुर स्थान बनाना**- *"EdSparks Collective प्रोग्राम ने मुझे एक जगह दी जहां मैं अपना बोझ हल्का कर सकती थी-प्रश्न, चिंताएं, विचार, धारणाएं इत्यादि। यह एक ऐसा स्थान था जहां मैं फिर से गलतियाँ करना, नए दृष्टिकोण और तत्वों को सीखना जो मेरे मौजूदा शिक्षण अभ्यास में मूल्य जोड़ देगा, अनुभव कर सकती थी। EdSparks Collective के सूत्रधार हमें इनपुट देते रहते और हमें अधिक प्रयास करने और सोचने के लिए निर्देशित करते। यह हमें अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। अवसर एक शिक्षार्थी के रूप में इन चीजों का अनुभव करने से हमें इस बारे में अधिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिली कि हम कैसे अपने छात्रों और बच्चों को अधिक से अधिक परिणाम प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।"*

६) **शैक्षिक अभ्यास के एक समुदाय में सदस्यता से लाभ** - *"जब भी कोई क्षमता-निर्माण या प्रशिक्षण सत्र होता है, अगर हम इसे केवल कुछ सत्रों और गतिविधियों तक ही सीमित रखते हैं तो यह एक संतृप्ति बिंदु तक पहुंचने के लिए बाध्य है। इन मामलों में, यह केवल एक बार का अनुभव रहता है। इसके प्रभावशाली होने के लिए, सीखने को एक प्रक्रिया बनाने की आवश्यकता है। इस प्रक्रिया के दौरान, आपको प्रत्येक महत्वपूर्ण अवधारणा को एक बार में एक कदम सुधार करने का मौका मिलना चाहिए। अंतरिकरण असंभव हैं कि एक ही बार में कुछ सीखें या समझें। EdSparks समुदाय के अभ्यास के माध्यम से, जब से हमने कार्यक्रम पूरा किया है, तब से प्रत्येक प्रतिभागी को नियमित रूप से फिर से समूह बनाने का अवसर दिया गया*

है। EdSparks Program के दौरान हमने जिन छोटी-छोटी बारीकियों और पहलुओं को कवर किया था, उन पर दोबारा गौर किया गया और उन पर चर्चा की गई। इसके माध्यम से हमारी सीख सही मायने में विकसित होती है क्योंकि हम एक दूसरे के अनुभवों को साझा करते हैं और सीखते हैं।"

७) **मानसिकता, दृष्टिकोण और प्रथाओं में परिवर्तन का अनुभव** - *"EdSparks Program ने मुझे शिक्षा में कला के बारे में विचार प्रक्रियाओं पर अत्यधिक स्पष्टता प्रदान की। मैं हमेशा से जानती थी कि यह शिक्षा में एक महान भूमिका निभाता है, लेकिन वास्तव में यह कैसे करता है यह मेरे लिए अस्पष्ट था। मैंने कला का उपयोग करके अभ्यास और दृष्टिकोण विकसित किए थे जो मेरे शिक्षण के वर्षों के दौरान कक्षाओं में संयोग से हुआ था। लेकिन मैं उन दृष्टिकोणों को फिर से दोहरा या उपयोग नहीं कर सकी। EdSparks Program के बाद, अब मुझे पता है कि कैसे इन तरीकों का मजबूत और महत्वपूर्ण शैक्षिक मूल्य हैं। मैं और भी अधिक अवधारणाओं, शब्दावली और उनके अर्थ और शिक्षा में महत्व की पहचान करने में सक्षम रही हूं। इसके कारण, मैं इन कला-आधारित शैक्षिक दृष्टिकोणों का अधिक बार उपयोग करने में सक्षम हूं और दूसरों को इसका उपयोग करने में मदद करने के लिए और अधिक सुसज्जित महसूस करती हूं।"*

८) **भरोसेमंद अनुसंधान-आधारित कार्यप्रणाली**- *"EdSparks Program के दौरान हम जो कार्यप्रणाली सीखते हैं, यह आश्वासन है कि १००% भागीदारी और हर बच्चा सफल महसूस करेगा। इस पद्धति का उपयोग करके, आप प्रत्येक बच्चे के विचारों का निरीक्षण ठोस तरीके से प्रक्रियाएं और तर्क करने में सक्षम होंगे। एक बार जब civil society organisations के सदस्य, जिनसे मैं जुड़ी हुई हूं, और स्कूल में विषय के शिक्षक इन परिणामों को देखने में सक्षम थे, तो कला के प्रति उनका दृष्टिकोण पूरी तरह से बदल गया। शिक्षकों ने अब अपनी कक्षाओं में इन प्रथाओं को एकीकृत करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक परिणाम देख रहे हैं!"*

यहां EdSparks Collective प्रोग्राम (2020-21) में भाग लेने के बाद अपना अनुभव साझा करते हुए शलाका के एक वीडियो का लिंक दिया गया है।

वीडियो का हिन्दी में ट्रांसक्रिप्शन: *"Hi! मैं मुंबई से शलाका देशमुख हूं। मैंने EdSparks सामूहिक कार्यक्रम में भाग लिया जो दो भागों में पेश किया गया था- एक अक्टूबर 2020 में और दूसरा जनवरी 2021 में। पहले भाग में हमारे पास बहुत सारे व्यावहारिक अनुभव थे और दूसरे भाग में उन अनुभवों के पीछे के विचार और अवधारणाएँ साफ़ बन गईं। यह मेरे लिए वास्तव में एक अद्भुत अनुभव रहा है क्योंकि* ***कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण शैक्षिक अवधारणाओं को पेश किया गया था। सबसे महत्वपूर्ण अवधारणाओं में से एक साझाकरण और प्रतिबिंब था।*** *पाठ योजना में भी इसे महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।* ***शिक्षा प्रणाली में चिंतन, विचारों के आदान-प्रदान, विचारों के मौखिककरण और चर्चाओं के लिए बहुत कम जगह दी गई है।*** *मेरे लिए एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह था कि जिस तरह से पाठ योजना से*

*हमारा परिचय कराया गया था। **मेरे लिए यह देखना बहुत दिलचस्प था कि कैसे पाठ योजना अपने आप में एक रचनात्मक प्रक्रिया हो सकती है।** मैं अपने शिक्षकों और फैसिलिटेटर्स की टीम के साथ इसका उपयोग करने के लिए उत्सुक हूं। मैं इस अद्भुत अनुभव के लिए ArtSparks Foundation को धन्यवाद देता हूं!"*

कार्यशाला-से-कार्यस्थल संक्रमण

"*मैं हमेशा हाथों से अनुभव करने में विश्वास करती हूं। EdSparks Collective के दौरान हम एक शिक्षार्थी के रूप में, एक व्यावहारिक तरीके से, शैक्षणिक दृष्टिकोण का अनुभव करने में सक्षम थे। **केवल बच्चों को ऐसा करने के बजाय, हमें पहले अपने लिए इसे आजमाना चाहिए। यह एक ऐसी आदत है जिसे मैं अपने शिक्षकों में भी बनाने की कोशिश करती हूँ।**"*-शलाका देशमुख

EdSparks सामूहिक कार्यक्रम को पूरा करने के बाद शलाका देशमुख अपनी सीखों को उन जगहों पर लागू करने के लिए वापस चली गईं जहां वे काम करती हैं। ***इसमें इसे कक्षा में बच्चों के पास वापस ले जाना और शिक्षक क्षमता निर्माण के प्रयासों में इसे शामिल करना था।*** उन्होंने तुरंत Unnati ISEC के कर्मचारियों और Shikshan Mandal (पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक और माध्यमिक) स्कूल के शिक्षकों को वही व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए कदम उठाए, जिनसे उन्हें EdSparks कार्यक्रम के माध्यम से अवगत कराया गया था। इसके बाद अलग-अलग आयु-समूहों के बारे में अलग-अलग विचार-विमर्श किया गया, जिनकी वे सेवा करते हैं।

शलाका को लगता है कि उनके पास जो स्वायत्तता है, और शिक्षा मंडल में शिक्षकों के साथ बिताने के लिए उन्हें जो समय मिलता है, उसने उन्हें गहन कार्यशालाएं आयोजित करने और शिक्षकों को निरंतर सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाया है कि वे बच्चों के साथ इन दृष्टिकोणों को कैसे सुगम बनाएं और नया सीखें। वह दर्शाती है, EdSparks सामूहिक कार्यक्रम के दौरान प्रदान की गई ArtSparks पद्धति, उपकरणों और संसाधनों का उपयोग करके शिक्षण के तरीके।

"*जब कर्मचारियों को कला सामग्री के साथ काम करने के साथ आने वाली विचार प्रक्रियाओं और जटिलताओं का अनुभव हुआ, तो हम इन विभिन्न पहलुओं पर अनुवर्ती चर्चा करने में सक्षम हुए। इससे उन्हें अपनी कक्षा में बच्चों को वापस लेने के लिए और अधिक सुसज्जित महसूस करने में भी मदद मिली।*"

"***एक व्यावहारिक अनुभव के दौरान होने वाली विचार प्रक्रियाएं विभिन्न विषय क्षेत्रों से जुड़ी हो सकती हैं।*** *उस अनुभव को प्रदान करने के बाद, मैंने गणित के शिक्षकों के साथ इस बारे में चर्चा की कि वे गणितीय अवधारणा की समझ को मजबूत करने के लिए कला-आधारित हस्तक्षेप का उपयोग कैसे कर सकते हैं उनके छात्रों के बीच। और विज्ञान के शिक्षकों के साथ चर्चा कि एक शिक्षार्थी के रूप में उनका अनुभव क्या था और उस अनुभव के आधार पर वे अपनी विज्ञान प्रयोगशालाओं*

में इन शिक्षण दृष्टिकोणों को कैसे एकीकृत कर सकते हैं? ***एक बार जब वे अनुभव कर लेते हैं तो मेरे लिए उनके साथ ये चर्चा करना आसान हो जाता है।"***-शलाका देशमुख

The Shikshan Mandal, Goregaon

Shiksha Mandal 80 साल पुराना शिक्षण संस्थान है। इसका उद्देश्य मुंबई के पास गोरेगांव के बच्चों के लिए शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करना है। यह एक सरकारी संस्थान है जिसका दर्शन है कि हर बच्चा समान है और हर बच्चे को सीखने के समृद्ध अवसर मिलने चाहिए।

प्रबंध समिति के सदस्य सामूहिक रूप से इस विश्वास का प्रतिनिधित्व करते हैं कि प्रत्येक विषय का अपना मूल्य होता है और ***बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं उन्हें करके सीखना चाहिए।*** इसके अलावा, वे इस विश्वास से प्रेरित हैं कि बच्चे और उनके सीखने की जरूरतें और प्रगति सभी प्रयासों के केंद्र में होनी चाहिए। इन छोरों की ओर, वे अकादमिक ज्ञान पर ध्यान देने के साथ-साथ शिक्षा के लिए अधिक बाल-केंद्रित दृष्टिकोणों को एकीकृत करने पर काम कर रहे हैं। इस तरीके से, उनका उद्देश्य बच्चे की शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक और भावनात्मक क्षमताओं का विकास करना है। अपने प्रयासों के माध्यम से, उन्होंने विशेष रूप से पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक विद्यालयों के लिए अपने शिक्षण के तरीकों में बहुत बदलाव लाए हैं। ये प्रयास बच्चों को अपने लिए सोचने के अवसर प्रदान करने के लिए निर्देशित किए गए हैं।

इस दर्शन और अभ्यास पर निर्माण करने के लिए, और बच्चे के दृष्टिकोण से सोचने की उनकी क्षमता को सुधारने के लिए, स्कूल ने लगातार विभिन्न संसाधन संस्थानों और विशेषज्ञों से समर्थन मांगा है। संस्था ने भी हमेशा विभिन्न क्षमता निर्माण सत्रों में अपनी टीम की भागीदारी का समर्थन करने के अलावा सभी प्रशिक्षण सत्रों का हिस्सा रहा है। ***उनका मानना है कि मैनेजमेंट टीम के लिए अपने टीम के सदस्यों का समर्थन करने और उनकी नई शिक्षाओं को एकीकृत करने में मदद करने के लिए अवधारणाओं को समझना महत्वपूर्ण है।***

बदलाव की कहानियां

EdSparks Collective Program में शलाका की उपस्थिति के बाद उस स्थान के भीतर होने वाले कुछ गहन परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए Artsparks के Professional Learning anf Development Team ने शिक्षण मंडल का दौरा किया। ArtSparks की टीम के सदस्यों को न केवल शलाका, बल्कि पूरी टीम, प्रधान अध्यापक और शिक्षकों से भी मिलने और बातचीत करने का अवसर मिला। नीचे उल्लिखित परिवर्तन की कहानियां Artsparks के मौजूदगी के दौरान की गई बातचीत और टिप्पणियों का परिणाम हैं।

प्री-प्राइमरी स्कूल शिक्षक (आयु समूह - 3 से 6 वर्ष)

सबसे पहले, जब शलाका ने EdSparks Collective Program से मिली सीख के आधार पर शिक्षकों के साथ वर्कशॉप आयोजित करना शुरू किया, तो शिक्षकों ने कला माध्यमों की श्रृंखला का उपयोग करके इन गतिविधियों के उद्देश्य को पूरी तरह से नहीं समझा। ***धीरे-धीरे, जैसे-जैसे उन्होंने एक के बाद एक कला माध्यमों का अनुभव किया, वे बहुत ही जैविक तरीके से शिक्षण और सीखने की अंतर्निहित संभावनाओं को पहचानने लगे।*** एक शिक्षक वास्तव में ऑयल पेस्टल के साथ काम करना पसंद किया और सामग्री में हेरफेर करने और बदलने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके विभिन्न बनावट बनाते समय 'कारण और प्रभाव' की खोज से बहुत प्रभावित थे। एक अन्य शिक्षिका इस तथ्य से हैरान थी कि उन्होंने कला सामग्री का उपयोग करते समय कभी भी बारीकी से विवरणों का अवलोकन नहीं किया था। ***सभी***

शिक्षकों का विचार था कि विभिन्न कला माध्यमों की खोज के अनुभव ने न केवल कला के प्रति उनकी रुचि पैदा की बल्कि नए विचारों के साथ आने की जिज्ञासा भी विकसित की।

विभिन्न कला माध्यमों के साथ इन अनुभवों के माध्यम से, शिक्षक प्रत्येक कला माध्यम में संभावनाओं और अंतर्निहित सीखने की खोज करने में सक्षम थे। ***उनके लिए यह समझना आसान हो गया कि वे अपने छात्रों के साथ इस तरह के सत्र कैसे आयोजित कर सकते हैं।*** उन्होंने साझा किया कि ***उन्होंने स्वयं सोचने का एक लचीला तरीका विकसित करना शुरू कर दिया।*** उदाहरण के लिए, प्रयोग की एक प्रक्रिया के माध्यम से एक रंग के विभिन्न रंगों को खोजने से उन्हें चीजों को करने के एक से अधिक तरीके देखने की अनुमति मिली। उन्होंने कनेक्शन बनाना भी शुरू किया, उदाहरण के लिए, पेपर कोलाज के माध्यम की खोज करते समय गणितीय अवधारणाओं को पेपर को अलग-अलग आकार में फाड़ने और काटने के कार्य से जोड़ना।

जल्द ही, उन्होंने एक समूह के रूप में अपनी कक्षाओं के लिए सरल कला-आधारित सीखने के हस्तक्षेपों के बारे में सोचना और डिजाइन करना शुरू कर दिया। ***उन्होंने बच्चों के साथ अपनी योजनाओं को क्रियान्वित किया और उनके सत्रों के बाद नियमित रूप से प्रतिबिंबित किया।*** उन्होंने सामूहिक रूप से एक दूसरे के साथ साझा किया कि क्या सबसे अच्छा काम करता है, उनके सामने आने वाली चुनौतियाँ, उनके द्वारा खोजे गए समाधान और इस तरह से सत्रों की योजना बनाई। इससे उन्हें उस आयु वर्ग की जरूरतों और विकासात्मक लक्ष्यों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली, जिसके साथ वे काम कर रहे थे।

शिक्षकों ने साझा किया कि जबकि वे पहले ऐसी गतिविधियाँ करते थे जिनमें पहले से तैयार सेब पर लाल कागज के टुकड़े चिपकाना शामिल था, अब उन्होंने अपने छात्रों को विकल्प प्रदान करना शुरू कर दिया है। वे अब अपने छात्रों को विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों में से चुनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, और उन्हें रंगों का चयन करने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। शिक्षण के प्रति उनके दृष्टिकोण में इस बदलाव की स्पष्ट समझ हैं, बच्चों को अपने निर्णय लेने के अनेक अवसर प्रदान करना महत्वपूर्ण है। ***इसने पसंद-आधारित सीखने के अवसर पैदा करते हुए बच्चे क्या सीखते हैं, इसका दायरा बढ़ा दिया है।***

इसके अतिरिक्त, शिक्षकों ने एक उदाहरण साझा किया कि कैसे वे अतीत में कला और शिल्प सत्र आयोजित करते थे, जहां उन्होंने बताया कि कैसे वे बच्चों को पालन करने के लिए चरण-दर-चरण निर्देशों का एक सेट देते थे। उदाहरण के लिए, मछली बनाने के लिए कागज को मोड़ना। उन्होंने इस बारे में बात की कि अब वे कैसे महसूस करते हैं कि उनके छात्र ऐसी गतिविधि के परिणामस्वरूप केवल एक प्रकार की समान दिखने वाली मछली बनाने में सक्षम थे। EdSparks कार्यक्रम में शुरू की गई नई शोध-आधारित कार्यप्रणाली को आत्मसात करने के बाद, शिक्षकों ने साझा किया कि वे विभिन्न प्रकार की मछलियों की तस्वीरों का उपयोग कर रहे हैं और अपने छात्रों को उनके द्वारा देखी जाने वाली विभिन्न आकृतियों और विवरणों का बारीकी से निरीक्षण करने के लिए कह रहे हैं, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि मछली विभिन्न आकार की होती हैं। इस तरह, बच्चे न केवल विभिन्न प्रकार की मछलियों के बारे में जानने में सक्षम होते हैं, बल्कि ***विवरणों पर ध्यान देने की अपनी क्षमता विकसित करने में भी सक्षम होते हैं।*** इन सीखने के परिणामों के अलावा, ***शिक्षकों ने साझा किया कि वे अपने छात्रों को अपनी कक्षाओं में अधिक समय तक व्यस्त पाते हैं।***

शिक्षकों द्वारा इंगित एक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि प्रबंधन का कोई दबाव नहीं था कि उन्हें एक ßनिश्चित समय सीमा के भीतर अपनी सीख को लागू करने की आवश्यकता हैं। इसके अलावा, ***उन्होंने अपने अगले कदमों का अनुभव करने और योजना बनाने के लिए हैंड-होल्डिंग, मेंटरशिप और दिए गए समय की सराहना की।*** इससे उन्हें अपने लिए सीखने की प्रक्रिया का अनुभव करने में मदद मिली है क्योंकि वे अपने शिक्षण अभ्यास को विकसित करना जारी रखते हैं।

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक (आयु समूह - 6 से 10 वर्ष)

प्राथमिक विद्यालय के अध्यक्ष, प्रधानाचार्य, समन्वयक और शिक्षकों ने साझा किया कि पहले, ***वे कला को अभिव्यक्ति के एक मजबूत माध्यम के रूप में देखते थे। हालांकि, वे नहीं जानते थे कि कला के माध्यम से सीखने, जीवन कौशल और विषय क्षेत्रों का समर्थन कैसे किया जा सकता है।*** शलाका ने प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को विभिन्न कला माध्यमों की खोज करने वाले सत्रों में शामिल किया, साथ ही उन सत्रों में जो उनके शिक्षण प्रथाओं पर प्रतिबिंबित करते थे। ***इस अवधि के दौरान बिताए गए समय ने उन्हें कला से संबंधित अपने डर को धीरे-धीरे तोड़ने और विभिन्न कला माध्यमों का स्वतंत्र रूप से पता लगाने और इसकी शैक्षिक क्षमता को पहचानने की अनुमति दी।*** शिक्षकों और प्रशासकों ने अपनी विचार प्रक्रियाओं को प्रतिबिंबित किया और साझा किया, और 'मैं और क्या कर सकता हूं' जैसे प्रश्न पूछने लगे। और 'मैं संदर्भ और अपने बच्चों की ज़रूरतों के अनुरूप इसे अलग तरीके से कैसे कर सकता हूँ?

किला बनाने की परियोजना

मेंटरशिप और हैंड-होल्डिंग प्राप्त करने के कुछ समय बाद, शिक्षकों ने अपने स्वयं के कला-आधारित हस्तक्षेप को डिजाइन करना शुरू कर दिया। वार्षिक रूप से, स्कूल स्थानीय इतिहास के उत्सव से जुड़ा एक कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें छात्रों को शिवाजी के किले का निर्माण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। छात्र इस दौरान शिवाजी के इतिहास के बारे में सीखते हैं। हर साल बच्चे मिट्टी से शिवाजी के किले का मॉडल बनाते हैं। इस बार शलाका की सलाह और कार्यशालाओं से प्रेरित होकर, शिक्षकों ने किले बनाने की गतिविधि के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण की योजना बनाई। उन्होंने छात्रों को एक किले का निर्माण करते समय शामिल किए जाने वाले विभिन्न भागों के बारे में दिशा-निर्देशों का एक सेट देने का फैसला किया और छात्रों को अपने किले बनाने के लिए अपनी खुद की सामग्री खोजने दी। इरादा एक किले की संरचना की वैचारिक समझ का निर्माण करना था, जबकि छात्र किले के अपने अद्वितीय प्रतिनिधित्व की सामग्री और निर्माण पर अपनी पसंद बना सकते थे। शिक्षकों ने इसे एक समूह परियोजना के रूप में बनाया, जिसमें प्रत्येक समूह को 6 छात्र सौंपे गए।

शिक्षकों ने विक्रम (बदला हुआ नाम) की कहानी साझा की, उन छात्रों में से एक जो आमतौर पर कक्षा की चर्चाओं में सक्रिय भागीदार नहीं होते हैं। लेकिन, इस परियोजना के दौरान, उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उन्होंने नेतृत्व किया और अपने समूह को यह विश्वास दिलाया कि उन्हें अपना किला बनाने के लिए पत्थरों का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा, ***शिक्षकों ने साझा किया कि अन्य समूहों को असहमत और एक-दूसरे से सहमत होते देखना प्रेरणादायक था और अंततः एक समूह के रूप में समाधान के साथ आना।*** जब छात्रों को प्रक्रिया के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा, तो ***उन्होंने सामने आई समस्याओं को हल करने के लिए एक दूसरे का समर्थन किया।*** शिक्षकों ने यह भी साझा किया कि इस पूरी प्रक्रिया ने उन्हें और साथ ही उनके छात्रों को संतुष्टि और उपलब्धि की गहरी भावना दी। उन्होंने कहा कि इस बार शिक्षकों के रूप में उनकी भूमिका अलग थी क्योंकि उन्हें केवल बच्चों को दिशानिर्देशों और आवश्यकताओं के बारे में याद दिलाने की जरूरत थी, उदाहरण के लिए, किले में कुछ विशेषताएं होनी चाहिए जैसे कि अवलोकन पोस्ट, यह जमीन के ऊपर एक स्तर पर होना चाहिए, आदि। इस अनुभव ने शिक्षकों को और भी आगे सोचने में सक्षम बनाया है, और अब वे अनुवर्ती सत्रों की योजना बना रहे हैं जहां बच्चे अपने स्वयं के वर्तमान समय के किलों और किलों के भविष्य के मॉडल

डिजाइन करेंगे, छात्रों की शिक्षा और कल्पना को अगले स्तर तक ले जाएंगे। ***शिक्षकों ने 'scaffolding' की अवधारणा के बारे में बहुत कुछ सुना था, लेकिन कला-आधारित शैक्षिक हस्तक्षेप को डिजाइन करने और क्रियान्वित करने के इस परियोजना अनुभव के माध्यम से, वे शब्द के बहुत व्यावहारिक अर्थों में इसका अनुभव करने में सक्षम थे, और साथ ही परिणाम भी देख पाए।***

बच्चों के विभिन्न समूहों ने स्थिरता के विचार और एक संरचना के खड़े होने के लिए एक समर्थन प्रणाली होने का परीक्षण किया। एक समूह ने नीचे मिट्टी के भीतर एक ट्रे रखी ताकि संरचना मजबूत और ऊंचे स्थान पर खड़ी हो सके। एक अन्य समूह ने किले के लिए एक समर्थन बनाने के लिए वस्तुओं को कुछ कोणों में रखा।

शलाका बताती हैं, "*प्राथमिक विद्यालय की एक विशेष शिक्षिका विभिन्न कला सामग्रियों के उपयोग में खुद को डुबोने की प्रक्रिया के माध्यम से सक्रिय रूप से बच्चों के साथ कुछ अद्भुत काम कर रही है।* ***इस अनुभव का प्रभाव खुल गया है। अन्य विषयों को भी पढ़ाने के नए तरीकों को खोजने के लिए उसका मन तैयार हो गया।*** *यह मेरे द्वारा देखे गए सबसे महान परिणामों में से एक है। शिक्षिका जिसने किला बनाने वाली कला-आधारित हस्तक्षेप को डिजाइन किया है, वह अपने छात्रों के साथ देखे गए परिणामों से बहुत उत्साहित है कि वह वर्तमान में पूरे किले बनाने की परियोजना के बारे में एक केस स्टडी पर काम कर रही है!*"

यहां शिक्षक का एक वीडियो है जो किला बनाने के सत्र के दौरान बच्चों और उनके अनुभव को समझा रही है।

इन अनुभवों के साथ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की टीम ने साझा किया कि ***अब वे महसूस कर चुके हैं और देख चुके हैं कि कैसे कला एकीकृत कर के कौशल विकसित किया जाए और सार्थक शैक्षिक अनुभव प्रदान किया जाए।*** उन्होंने स्वयं स्वतंत्रता का आनंद लिया और ***इन अनुभवों का पता लगाने और नए सिरे से सीखने के लिए इन अनुभवों को डिजाइन करने के अवसर का आनंद लिया, वे अपने छात्रों के साथ आयोजित अन्य सभी गतिविधियों के लिए इस दृष्टिकोण को ले रहे हैं।*** यहां तक कि स्कूल द्वारा आयोजित किए जाने वाले क्षेत्र दौरे भी अधिक उद्देश्यपूर्ण और सुनियोजित होते हैं। शिक्षक साझा करते हैं कि ***वे इस बात पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं कि वे वास्तव में अपने छात्रों को सीखने के अनुभवों से क्या सीखना चाहते हैं, और इसलिए, अधिक सोच-समझकर उसी के अनुसार अनुभवों की योजना बनाते हैं।*** उन्होंने साझा किया कि ***निरंतर मूल्यांकन भी आसान हो गया है*** क्योंकि वे यह देखने में सक्षम हैं कि बच्चे किस तरह प्रतिक्रिया दे रहे हैं और प्रत्येक सत्र में शामिल हो रहे हैं। इन नए दृष्टिकोणों को अपनाने से उन्हें अपने छात्रों की स्थिति में अधिक प्रभावी ढंग से कदम रखने, अपने अनुभवों के साथ अधिक सहानुभूति रखने और इस तरह छात्रों को बेहतर समर्थन देने में मदद मिली है। यहां शिक्षकों और प्रधानाचार्य से एकत्रित कुछ अंतर्दृष्टि दी गई है:

"***अब हम हमेशा छात्रों को 'मैं नहीं कर सकता' से 'मैं कर सकता हूँ' वाले रवैये में बदलने का अवसर देने के बारे में सोच रहे हैं।*** *जब कोई बच्चा कुछ करने में सक्षम नहीं होता है, तो हम लगातार सोचते थे कि समर्थन के लिए और क्या किया जा सकता है। शलाका द्वारा क्षमता निर्माण सत्रों की मदद से, अब मुझे पता है कि मैं क्या कर सकता हूं।* ***अगर कोई बच्चा संघर्ष कर रहा है, तो मैं उसका काम नहीं करूंगा। मैं देखूंगा कि उसे वहां कैसे पहुंचाया जाए।"***

"*इस तथ्य को समझते हुए कि अलग-अलग बच्चे अलग-अलग सोचते हैं, हमने गणेश चतुर्थी महोत्सव के दौरान बच्चों को अपनी खुद की खड़ी गणपति की मूर्ति बनाने देने का फैसला किया। बच्चों ने सोचा कि इसे कैसे खड़ा किया जाए, चुनौतियों का सामना किया, इस पर आपस में चर्चा की और बिना कुछ बताए समाधान निकाला। उनकी विचार प्रक्रिया चारों ओर घूमती थी- 'अगर मुझे यह करना है, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं (महत्वपूर्ण सोच)।* ***उनका दिमाग लगातार व्यस्त था। पहले, मैंने सोचा कि अगर हम उन्हें अपने दम पर काम करने के लिए छोड़ दें, तो यह एक संगठित कक्षा की तरह नहीं लगेगा, यह गन्दा होगा। अब मैं इसके पीछे का कारण और सीखने के इस समृद्ध अनुभव को कैसे सुगम बनाया जा सकता है, यह समझ गया हूँ।"***

यहां तक कि प्राथमिक विद्यालय की प्रधान अध्यापक सुजाता ने भी साझा किया - "*मुझे खुद कला का कोई अनुभव नहीं था। लेकिन अब, शलाका ने हमारे लिए आयोजित सत्रों में भाग लेने के बाद, मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मैं कला कर सकती हूं! और अगर मैं कर सकती हूं, मेरे बच्चे इसे निश्चित रूप से कर सकते हैं। अन्वेषण एक अद्भुत अवधारणा थी जिससे मैं गणित में भी जुड़ सकती थी, जोड़ने से पहले, हमें संख्याओं और उनके मूल्यों को जानने की आवश्यकता होती है। बच्चों को मुक्त देखने के लिए यह एक खुशी थी हम समझ गए कि स्कूल के आसपास वे क्या चाहते हैं, लेकिन बच्चों के व्यस्त होने पर हमें क्या करना चाहिए, ताकि उनका ध्यान केंद्रित हो सके। साथ ही,* ***ArtSparks Foundation द्वारा प्रदान किए गए EdSparks संसाधन पैकेज में हर वाक्य एक विचार-मंथन गतिविधि की तरह है!*** *से प्रेरित संसाधन पैकेज में एक लेख, हम वर्तमान में अपनी कार्यपत्रकों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए उन्हें फिर से डिज़ाइन करने पर काम कर रहे हैं। उस लेख को पढ़ने के बाद हमने महसूस किया कि कार्यपत्रकों के मामले में, यदि बच्चों को उत्तर नहीं पता है, तो उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है इसे छोड़ने के लिए दूसरी ओर, कला द्वारा संचालित व्यावहारिक अनुभवों के दौरान, वे समस्या-समाधान कर रहे हैं क्योंकि वे चुनौतियों का सामना करते हैं।* ***हम सोच रहे हैं कि इस दृष्टिकोण को***

वर्कशीट्स में कैसे एकीकृत किया जा सकता है और हम वर्कशीट्स से दोहराव वाली सामग्री को कैसे निकाल सकते हैं और इसे और अधिक आकर्षक बना सकते हैं।"

अंग्रेजी भाषा शिक्षक (आयु समूह - 11 से 16 वर्ष)

उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों को सालाना होने वाली प्रतियोगिता के लिए विचारों की आवश्यकता थी। शलाका ने उन्हें एक कला एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने के लिए निर्देशित किया, जिसमें उन्होंने 'कला के माध्यम से भाषा और साक्षरता विकास' पर EdSparks सत्र से प्रेरित 'पिक्चर टॉक' नामक एक मौखिक प्रतियोगिता के लिए डिजाइन और योजना बनाई। उन्होंने एक प्रतियोगिता की योजना बनाई जिसमें छात्रों को एक ऐसी छवि का वर्णन करने के लिए कहा गया जो उन्हें दिखाई गई थी चित्र से परे सोचने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने वाक्य संरचना, शब्दावली और व्याकरण के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया।

अंग्रेजी भाषा के शिक्षक ArtSparks की शिक्षण और विकास टीम के साथ अपने अनुभव साझा कर रहे हैं।

शिक्षक यह देखने में सक्षम थे कि प्रत्येक छात्र चीजों को कितने अलग तरीके से देखता है। वे यह देखकर चकित थे कि ***कैसे इस कला-एकीकृत दृष्टिकोण ने छात्रों को शब्दों के माध्यम से सोचने, विस्तृत करने, कल्पना करने और अपने विचारों को व्यक्त करने में मदद की।*** आगे बढ़ते हुए वे अपने छात्रों में भाषा और संचार कौशल का निर्माण जारी रखने के लिए अपनी कक्षाओं में नियमित रूप से कला का उपयोग करना चाहेंगे।

माध्यमिक विद्यालय कला शिक्षक (आयु समूह - 11 से 16 वर्ष)

विद्यालय में कला शिक्षक भी क्षमता निर्माण की उसी प्रक्रिया से गुज़रे हैं जिसे शलाका ने सुगम बनाया था। ***इन्हीं अनुभवों की वजह से वह भी कला को नए नजरिए से देखने लगी हैं।*** उन्हें विशेष रूप से सभी छात्रों का समर्थन करने और उन्हें ड्राइंग में सक्षम महसूस करने में मदद करने के लिए जटिल आकृतियों को छोटे सरल आकारों में तोड़ने की अवधारणा पसंद आई। जैसे ही उन्होंने अपने शिक्षण अभ्यास में इन अवधारणाओं को शामिल करना शुरू किया, ***उन्होंने पाया कि उनके छात्र बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम थे और उनमें से प्रत्येक कला वर्ग में अधिक सीखने के इच्छुक थे।*** यहां तक कि जिन छात्रों ने पहले कला में रुचि की कमी व्यक्त की थी, वे भी इस विषय के प्रति अधिक रुचि दिखाने लगे हैं। ***छात्र अब कला वर्ग से डरते नहीं हैं, बल्कि वास्तव में इसका आनंद लेते हैं।***

इसके अतिरिक्त, कला शिक्षक ने साझा किया कि एक अन्य अवधारणा जो उन्हें उपयोगी लगी वह वास्तविक भौतिक वस्तुओं या वास्तविक वस्तुओं की तस्वीरों का उपयोग बनाम किसी वस्तु के चित्रण या कलात्मक प्रतिनिधित्व का संदर्भ देना था। यह प्रत्येक छात्र के लिए अपने आसपास की चीजों के बारे में अपनी रचनात्मक आवाज और अभिव्यक्ति लाने के लिए दरवाजे खोलने में मदद करता है। ***यह इस मिथक को तोड़ने में योगदान देता है कि केवल कुछ चुनिंदा प्रतिभाशाली छात्र ही कला वर्ग में भाग ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।*** अब, ***हर कोई अपनी कला-निर्माण में समान रूप से सफल है।***

रंजीत कोकाटे एक शिक्षक और कलाकार हैं, और EdSparks Collective (2021-22) के पूर्व प्रतिभागी हैं। उन्होंने Shikshan Mandal और Pragat Shikshan Sanstha (फलटन) में बच्चों और शिक्षकों के साथ कार्यक्रम से सीख को आगे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। रंजीत कोकाटे पर प्रभाव का अध्ययन जल्द ही किया जाएगा।

निष्कर्ष

एक शिक्षिका के रूप में शलाका की कहानी, उनके अनुभव और उनके सामने आने वाली चुनौतियाँ भारत में कई शिक्षकों के मन को छू सकती हैं। ***इस प्रभाव अध्ययन का उद्देश्य NEP 2020 की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले सार्थक***

तरीकों से शिक्षा में कला को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करना है। शलाका जैसे शिक्षक, जो अपने शिक्षण अभ्यास में अर्थ खोजने का प्रयास करते हैं, ने ArtSparks द्वारा पेश किए गए EdSparks Collective प्रोग्राम के माध्यम से पर्याप्त उत्तर पाए। शलाका देशमुख की यात्रा के कुछ अंशों में शामिल हैं:

- कला बहुत सारे शिक्षण और सीखने के अवसर प्रदान करता है जो बहुत ही जैविक तरीके से होते हैं।
- नए दृष्टिकोणों का परीक्षण करने के लिए स्वतंत्रता और स्थान होना, और कला का उपयोग करके शैक्षिक हस्तक्षेपों को डिजाइन करना आवश्यक है।
- कला शिक्षा के लिए एक स्थायी, संरचित दृष्टिकोण होने के लिए कला के माध्यम से शिक्षण और सीखने के लिए एक रूपरेखा होने का बहुत महत्व है।
- शैक्षणिक अवधारणाओं और कला में निहित प्रथाओं को समझने में बहुत मूल्य है
- व्यावहारिक सीखने के अनुभव शिक्षकों को संबंध बनाने में सक्षम बनाते हैं और इसलिए अधिक प्रभावी ढंग से सीखने के हस्तक्षेप की योजना और डिजाइन करते हैं। इसी तरह, ये अनुभव प्रबंधन टीमों को पेश की जा रही अवधारणाओं के महत्व को समझने में सक्षम बनाते हैं और शिक्षकों को इसे लागू करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने में मदद करते हैं।
- उनके संबंधित स्कूल और शैक्षिक स्थान। वर्कशॉप-टू-वर्कप्लेस ट्रांजिशन के लिए हैंड-होल्डिंग, मेंटरशिप और शिक्षकों को उनके अगले कदमों का अनुभव करने और योजना बनाने के लिए दिया गया समय महत्वपूर्ण है।
- अंत में, और सबसे महत्वपूर्ण बात, ***कला को एक नए दृष्टिकोण से देखने का समय आ गया है!***

यदि आप EdSparks Collective के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो कृपया यहां क्लिक करें- https://www.art-sparks.org/edsparks-collective.html

यदि आप आगामी EdSparks Collective 2023-24 में भाग लेने के इच्छुक हैं, तो कृपया यहां क्लिक करें-
https://forms.gle/zXFgVkNXso8v9MheA